# BACHELOR OF ARTS (GENERAL) (BAG)

## Term-End Examination

## December, 2024

## BPAC- 131 PERSPECTIVES ON PUBLIC ADMINISTRATION

## MOST IMPORTANT TOPICS

### Part-2

scholarly minds

**Write a note on pre-Weberian bureaucratic narratives.**

**Pre-Weberian bureaucratic narratives** refer to the early forms and ideas of bureaucracy that existed before Max Weber's formalization of bureaucratic theory in the early 20th century. These narratives were more focused on the organization and control of administrative systems rather than the systematic study of bureaucracy as a concept.

Various societies had their own forms of bureaucracy, often defined by monarchies or empires, but they lacked the formal, rational, and impersonal characteristics that Weber later described.

**प्रे-वेबेरियन ब्यूरोक्रेटिक कथाएँ** वे प्रारंभिक रूप और विचार हैं जो अधिक औपचारिक और व्यवस्थित ब्यूरोक्रेसी के रूप में विकसित होने से पहले प्रशासनिक प्रणालियों में अस्तित्व में थीं। ये कथाएँ ब्यूरोक्रेसी के एक सिद्धांत के रूप में अधिक ध्यान केंद्रित करने के बजाय प्रशासनिक व्यवस्था और नियंत्रण पर आधारित थीं।

विभिन्न समाजों में अपनी-अपनी ब्यूरोक्रेसी की रूपरेखा थी, जो अक्सर राजशाही या साम्राज्य द्वारा परिभाषित होती थी, लेकिन वे बाद में वेबर द्वारा वर्णित औपचारिक, तर्कसंगत और निःस्वार्थ लक्षणों से रहित थीं।

- **Ancient Bureaucratic Systems**: In ancient civilizations such as Egypt, China, and Mesopotamia, bureaucratic structures existed but were often based on personal loyalty, hereditary leadership, or religious authority. These bureaucracies were controlled by a central authority figure like a king or emperor and relied on patronage rather than formal legal-rational authority.

- **प्राचीन ब्यूरोक्रेटिक प्रणालियाँ**: प्राचीन सभ्यताओं जैसे कि मिस्र, चीन और मेसोपोटामिया में ब्यूरोक्रेसी की संरचनाएँ मौजूद थीं, लेकिन ये अक्सर व्यक्तिगत वफादारी, पारिवारिक नेतृत्व या धार्मिक सत्ता पर आधारित थीं। ये ब्यूरोक्रेसी एक केंद्रीय प्राधिकरण व्यक्ति जैसे राजा या सम्राट द्वारा नियंत्रित होती थीं और औपचारिक कानूनी-तर्कसंगत अधिकार के बजाय कृपापात्र पर निर्भर होती थीं।
- **Monarchical Bureaucracy**: Monarchs and kings were often the central figures in administering the state. Bureaucrats were appointed based on their loyalty to the ruler, not their technical expertise. These bureaucracies were generally hierarchical and highly personalized, without a formal legal structure.
- **राजशाही ब्यूरोक्रेसी**: राजा और सम्राट अक्सर राज्य का संचालन करने में केंद्रीय व्यक्तित्व होते थे। ब्यूरोक्रेट्स को शासक के प्रति उनकी वफादारी के आधार पर नियुक्त किया जाता था, न कि उनके तकनीकी कौशल के आधार पर। ये ब्यूरोक्रेसी सामान्यतः संरचनात्मक रूप से पदानुक्रमित और व्यक्तिगत होती थीं, और इसमें औपचारिक कानूनी संरचना का अभाव होता था।
- **Religious and Feudal Bureaucracies**: In feudal systems, authority was often decentralized, and local lords had bureaucratic functions. Religious institutions also played a major role in governance, with priests and clerics administering land, taxation, and law based on religious principles.
- **धार्मिक और सामंती ब्यूरोक्रेसी**: सामंती प्रणालियों में, सत्ता अक्सर विकेंद्रीकृत होती थी, और स्थानीय प्रमुखों के पास ब्यूरोक्रेटिक कार्य होते थे। धार्मिक संस्थान भी शासन में एक प्रमुख भूमिका निभाते थे, जहां पुजारी और धर्मगुरु धार्मिक सिद्धांतों के आधार पर भूमि, कराधान और कानून का संचालन करते थे।
- **Transition to Modern Bureaucracy:** The transition to Weberian bureaucracy, which emphasized rationality, legal authority, and professionalism, occurred gradually. Pre-Weberian bureaucracies were less efficient and more personalized, often based on patronage and personal relationships rather than a legal-rational system.
- **आधुनिक ब्यूरोक्रेसी में संक्रमण**: वेबरियाई ब्यूरोक्रेसी में संक्रमण, जो तर्कसंगतता, कानूनी अधिकार और पेशेवरिता पर बल देता है, धीरे-धीरे हुआ। प्री-वेबेरियन ब्यूरोक्रेसी कम कुशल और अधिक व्यक्तिगत थी, जो अक्सर कृपापात्र और व्यक्तिगत संबंधों पर आधारित होती थी, न कि कानूनी-तर्कसंगत प्रणाली पर।

Scholarly minds

**Describe the different viewpoints on public policy approach.**

Public policy refers to the actions and decisions taken by government authorities to address public issues. The approach to public policy can vary depending on the underlying ideologies, political theories, and objectives of the policymakers.

There are several key viewpoints and approaches to public policy, each focusing on different aspects of policymaking and governance.
**सार्वजनिक नीति** उन क्रियाओं और निर्णयों को संदर्भित करती है जो सरकारी अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक मुद्दों को हल करने के लिए लिए जाते हैं। सार्वजनिक नीति का दृष्टिकोण नीतिनिर्माताओं के आधारभूत विचारधाराओं, राजनीतिक सिद्धांतों और उद्देश्यों के आधार पर भिन्न हो सकता है। सार्वजनिक नीति के कई प्रमुख दृष्टिकोण और दृष्टिकोण हैं, जो नीति निर्माण और शासन के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

### 1. The Rational Model (Analytical Approach)

The Rational Model is one of the most traditional and widely discussed approaches to public policy. It assumes that policymakers are rational and make decisions based on objective analysis of available data, with the goal of achieving the most efficient and optimal outcome.

### तार्किक मॉडल (विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण)

तार्किक मॉडल सार्वजनिक नीति के सबसे पारंपरिक और व्यापक रूप से चर्चा किए गए दृष्टिकोणों में से एक है। यह मानता है कि नीति निर्माता तर्कसंगत होते हैं और उपलब्ध डेटा के उद्देश्यपूर्ण विश्लेषण के आधार पर निर्णय लेते हैं, जिसका उद्देश्य सबसे कुशल और आदर्श परिणाम प्राप्त करना होता है।

- **Key Characteristics**:
  - Policy decisions are made by identifying problems, setting objectives, generating alternatives, and selecting the most efficient solution.
  - The process is methodical and based on thorough analysis.
  - Focuses on maximizing benefits while minimizing costs.
- **मुख्य विशेषताएँ**:
  - नीति निर्णय समस्याओं की पहचान करने, उद्देश्यों को निर्धारित करने, वैकल्पिक समाधान उत्पन्न करने और सबसे कुशल समाधान का चयन करने के आधार पर किए जाते हैं।
  - यह प्रक्रिया व्यवस्थित और गहन विश्लेषण पर आधारित होती है।
  - लाभ अधिकतम करने और लागत को न्यूनतम करने पर जोर दिया जाता है।

### 2. The Incremental Model

The Incremental Model emphasizes gradual changes in public policy rather than large-scale shifts or reforms. According to this model, policies evolve through small, incremental adjustments based on existing policies, often due to practical constraints and political compromises.

### संवृद्धि मॉडल

संवृद्धि मॉडल सार्वजनिक नीति में बड़े पैमाने पर बदलाव या सुधारों के बजाय क्रमिक परिवर्तनों पर जोर देता है। इस मॉडल के अनुसार, नीतियाँ छोटे, क्रमिक समायोजन के माध्यम से विकसित होती हैं, जो अक्सर व्यावहारिक प्रतिबंधों और राजनीतिक समझौतों के कारण होती हैं।

scholarly minds

- **Key Characteristics**:
  - Policy changes occur in small, manageable steps.
  - Policymakers rely on past policies and make adjustments rather than seeking entirely new approaches.
  - This approach accounts for political and economic limitations.
- **मुख्य विशेषताएँ**:
  - नीति में परिवर्तन छोटे, प्रबंधनीय कदमों में होते हैं।
  - नीति निर्माता पिछले नीतियों पर निर्भर होते हैं और समायोजन करते हैं, न कि पूरी तरह से नए दृष्टिकोणों की तलाश करते हैं।
  - यह दृष्टिकोण राजनीतिक और आर्थिक सीमाओं को ध्यान में रखता है।

**3. The Political Model**
The Political Model highlights the role of politics in shaping public policy. It suggests that policy decisions are often the result of negotiations and compromises between various political actors, interest groups, and other stakeholders, rather than purely rational analysis.

## राजनीतिक मॉडल
राजनीतिक मॉडल सार्वजनिक नीति को आकार देने में राजनीति की भूमिका को उजागर करता है। यह सुझाव देता है कि नीति निर्णय अक्सर विभिन्न राजनीतिक अभिनेताओं, हित समूहों और अन्य हितधारकों के बीच वार्ता और समझौते का परिणाम होते हैं, न कि केवल तर्कसंगत विश्लेषण।

- **Key Characteristics**:
  - Policy decisions are influenced by the preferences, power, and interests of different political groups.
  - Political negotiation and compromise are central to policymaking.
  - The focus is on managing conflict and balancing competing interests.
- **मुख्य विशेषताएँ**:
  - नीति निर्णय विभिन्न राजनीतिक समूहों की प्राथमिकताओं, शक्ति और हितों से प्रभावित होते हैं।
  - नीति निर्माण में राजनीतिक वार्ता और समझौता केंद्रीय होते हैं।
  - ध्यान संघर्ष का प्रबंधन करने और प्रतिस्पर्धी हितों के बीच संतुलन बनाने पर होता है।

**4. The Elite Model**
The Elite Model posits that policy decisions are made by a small group of elite individuals or groups who hold power and influence in society. These elites shape public policy to reflect their interests and maintain their position of power, often at the expense of the broader population.

## एलीट मॉडल
एलीट मॉडल यह मानता है कि नीति निर्णय एक छोटे समूह द्वारा किए जाते हैं जो समाज में शक्ति और

scholarlyminds

प्रभाव रखते हैं। ये एलीट्स सार्वजनिक नीति को अपने हितों को दर्शाने और अपनी शक्ति की स्थिति बनाए रखने के लिए आकार देते हैं, अक्सर व्यापक जनसंख्या की कीमत पर।

- **Key Characteristics**:
  - A small, powerful elite controls the policy process.
  - Public policy tends to reflect the interests and values of the elite group.
  - The model is often criticized for overlooking the needs and voices of ordinary citizens.
- **मुख्य विशेषताएँ**:
  - एक छोटा, शक्तिशाली एलीट समूह नीति प्रक्रिया को नियंत्रित करता है।
  - सार्वजनिक नीति आमतौर पर एलीट समूह के हितों और मूल्यों को दर्शाती है।
  - इस मॉडल की अक्सर आलोचना की जाती है क्योंकि यह सामान्य नागरिकों की जरूरतों और आवाजों की अनदेखी करता है।

**Link of part 1 is in description**

**Join my whatsapp channel for updates**

scholarly minds